न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, डीडवाना–कुचामन

पीठासीन अधिकारी–श्री सीताराम जाट, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या– 64 /2023
जी.सी.एम.एस. पोर्टल नम्बर 2023/ 130

प्रार्थी		अप्रार्थीगण
आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड सैकिण्ड फ्लोर, मानउपासना प्लाजा, सरदार पटेल मार्ग, सी–स्कीम एच.एस.बी.सी. बैंक के सामने, जयपुर जरिये अधिकृत अधिकारी श्री आँचल शर्मा	बनाम	1. श्रवण राम प्रथम पता– प्रोपर्टी एट वार्ड नं. 02, पट्टा सं0 43 ग्राम दौलतपुरा, तहसील डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन द्वितीय पता– दौलतपुरा, नियर टेम्पल, डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन 2. भवरंडी श्रवण प्रथम पता– प्रोपर्टी एट वार्ड नं. 02, पट्टा सं0 43 ग्राम दौलतपुरा, तहसील डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन द्वितीय पता–92 दौलतपुरा नियर टेम्पल, डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन तृतीय पता– दौलतपुरा, नियर टेम्पल डीडवाना जिला डीडवाना–कुचामन

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय अस्तियो के प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूमि हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत ऋणि की बंधक सम्पत्ति का कब्जा लेकर प्रार्थी बैंक को सुपुर्द करने के संबंध में।

आदेश

दिनांक: 06/12/2023

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ। जो दर्ज रजिस्टर हो।

प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैक ने अप्रार्थी/ऋणी को रूपये 3,50,000/–(अक्षरे तीन लाख पचास हजार रूपये मात्र) दिनांक 26.12.2019 को ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में सम्पति– पट्टा नम्बर 43, वार्ड नं. 02, ग्राम–दौलतपुरा, तहसील–डीडवाना, जिला–डीडवाना–कुचामन कुल क्षेत्रफल 1417.50 वर्गफीट जिसकी चारों सीमाओं में पूर्व में शंकरलाल पुत्र लक्ष्मण राम, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में मग्गा राम पुत्र दुलाराम व दक्षिण में हनमानराम पुत्र छोटूराम स्थित है, जो प्रार्थी बैक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये ।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बै[illegible] [illegible]सार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को दिनांक 30.09.2022 को [illegible] [illegible] दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी के ऋण खाते में रूपये 3,21,169.87/–(अ[illegible] लाख इक्कीस हजार एक सौ

Signature Not Verified
Digitally signed by Sita Ram Jat
Date: 2024.02.01 11:34:44 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलक्टर
डीडवाना–कुचामन

Scanned with OKEN Scanner

उन्हत्तर रूपये सत्यासी पैसे मात्र) दिनांक 22.11.2022 तक शेष देय व दिनांक 23.11.2022 से आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि का भुगतान बकाया निकलते है।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैंक ने ऋणी/अप्रार्थी को **दिनांक 24.11.2022** को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये परन्तु नोटिस प्राप्ति के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैंक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि **रूपये 3,21,169.87/–(अक्षरे तीन लाख इक्कीस हजार एक सौ उन्हत्तर रूपये सत्यासी पैसे मात्र) दिनांक 22.11.2022 तक शेष देय व दिनांक 23.11.2022 से आगे का ब्याज व खर्चे सहित राशि का भुगतान** को जमा कराना था, परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया हैं।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैंक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैंक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैंक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्युमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैंक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैंक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :– **पट्टा नम्बर 43, वार्ड नं. 02, ग्राम–दौलतपुरा, तहसील–डीडवाना, जिला– डीडवाना–कुचामन कुल क्षेत्रफल 1417.50 वर्गफीट जिसकी चारों सीमाओं में पूर्व में शंकरलाल पुत्र लक्ष्मण राम, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में मग्गा राम पुत्र दुलाराम व दक्षिण में हनमानराम पुत्र छोटूराम स्थित है,** जो प्रार्थी बैंक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैंक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैंक से रूपये **3,50000/–(अक्षरे तीन लाख पचास हजार मात्र) दिनांक 26.12.2019** को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैंक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैंक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार हैः– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विक्रय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा, उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क) उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट ऐसे कदम उठा लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जैसा उसकी राय में आवश्यक हो सकेगा।

Signature Not Verified
Digitally signed by Sita Ram Jat
Date: 2024.02.01 11:34:44 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलक्टर
डीडवाना–कुचामन

Scanned with OKEN Scanner

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक डीडवाना–कुचामन को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति– पट्टा नम्बर 43, वार्ड नं. 02, ग्राम–दौलतपुरा, तहसील–डीडवाना, जिला– डीडवाना–कुचामन कुल क्षेत्रफल 1417.50 वर्गफीट जिसकी चारों सीमाओं में पूर्व में शंकरलाल पुत्र लक्ष्मण राम, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में मग्गा राम पुत्र दुलाराम व दक्षिण में हनमानराम पुत्र छोटूराम स्थित है,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध मे संबंधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो उन दस्तावेजो को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

(सीताराम जाट, IAS)
जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
जिला कलक्टर
डीडवाना–कुचामन

Signature Not Verified

Digitally signed by Sita Ram Jat
Date: 2024.02.01 11:34:44 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner